पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार

विश्व सर्प दिवस

World Snake Day

16-जुलाई-2025

संजय गाँधी जैविक उद्यान, पटना

SANJAY GANDHI BIOLOGICAL PARK, PATNA

विश्व सर्प दिवस

World Snake Day

16-जुलाई

विभिन्न मिथकों में साँपों का कालानुक्रमिक इतिहास

1. प्रागैतिहासिक और प्राचीन काल (3000 ईसा पूर्व से पहले)

- **नवपाषाण युग (यूरोप और एशिया)**: साँप को उर्वरता और पृथ्वी का प्रतीक मानकर पूजा की जाती थी। चट्टानों पर साँप जैसे चित्र और देवी की मूर्तियाँ पाई गई हैं।
- **सिंधु घाटी सभ्यता (2500–1900 ईसा पूर्व)**: साँप की आकृति वाले चित्र मिले हैं, जो संभवतः जल और उर्वरता के देवता से जुड़े हैं।

2. प्राचीन मेसोपोटामिया (3000–1000 ईसा पूर्व)

- **सुमेरियन धर्म**: *निंगिशजिदा* नामक नाग देवता, अंडरवर्ल्ड और उर्वरता से जुड़ा हुआ।
- **अक्कादी मान्यताएँ**: साँपों को अमरता और खजाने का रक्षक माना जाता था।

3. प्राचीन मिस्र (3000 ईसा पूर्व – 300 ईस्वी)

- **वाजेत**: कोबरा देवी, फ़राओ की रक्षक और राजशक्ति का प्रतीक।
- **एपेप (अपोफिस)**: विशाल नाग, अराजकता का प्रतीक, सूर्य देव *रा* से प्रतिदिन युद्ध करता है।
- दोहरी भूमिका: रक्षक (उरेयस) और विध्वंसक (एपेप)।

4. प्राचीन भारत (वैदिक और हिंदू धर्म, 1500 ईसा पूर्व से)

- **नाग**: अर्द्ध-दैवीय साँप प्राणी। ये जल और धन के रक्षक भी होते हैं और कभी-कभी विनाशकारी भी।
- **शेष / अनंत**: वह नाग जिस पर भगवान विष्णु विश्राम करते हैं।
- **मनसा देवी**: साँपों की देवी, जिन्हें उर्वरता और रोग निवारण से जोड़ा जाता है।
- **नाग पंचमी** जैसे त्योहारों में आज भी नाग पूजा होती है।

5. प्राचीन चीन (1600 ईसा पूर्व – वर्तमान)

- **फू शी और नू वा**: मानव जाति के रचनाकार, जिनके शरीर साँप जैसे हैं।
- **चीनी राशिफल**: साँप 12 राशियों में से एक है, और बुद्धि व अंतर्ज्ञान का प्रतीक है।
- **ड्रैगन**: यद्यपि साँप नहीं, लेकिन सर्पाकार आकृति में होते हैं और वर्षा व समृद्धि के प्रतीक हैं।

विश्व सर्प दिवस
World Snake Day
16-जुलाई

विभिन्न मिथकों में साँपों का कालानुक्रमिक इतिहास

6. यूनानी (ग्रीक) पौराणिक कथाएँ (1200–300 ईसा पूर्व)

- **मेडुसा**: उसके बालों में साँप होते हैं; उसकी दृष्टि से लोग पत्थर बन जाते हैं।
- **एस्क्लेपियस**: चिकित्सा के देवता, जिनके दंड पर साँप लिपटा होता है — यह आज भी मेडिकल चिह्न में उपयोग होता है।
- **उरोबोरोस**: अपनी पूँछ को खाने वाला साँप — चक्र, पुनर्जन्म और अनंतता का प्रतीक।

7. नॉर्स (वाइकिंग) धर्म (200–1000 ईस्वी)

- **योर्मुंगंदर**: विश्व नाग, जिसने पृथ्वी को घेरा हुआ है; रग्नारोक में थॉर से युद्ध करेगा।
- अराजकता और विनाश का प्रतीक।

8. बाइबिल और अब्राहमिक परंपराएँ (1000 ईसा पूर्व – 600 ईस्वी)

- **हिब्रू धर्मग्रंथ (उत्पत्ति)**: साँप ने ईव को बहकाया; पाप और ज्ञान का प्रतीक।
- **मूसा और कांस्य साँप**: रेगिस्तान में उपचार का प्रतीक (गिनती 21:8–9)।
- **ईसाई धर्म**: अक्सर साँप को शैतान या बुराई से जोड़ा गया है, लेकिन कभी-कभी यह ज्ञान या पुनर्जन्म का प्रतीक भी है।

9. आदिवासी और जनजातीय परंपराएँ (दुनिया भर में)

- **मेसोअमेरिका (एज़टेक, माया)**:
  केटज़लकोआटल: पंखों वाला साँप, ज्ञान और सृजन का देवता।
- **रेड इंडियन जनजातियाँ (अमेरिका)**:
  साँप को प्रकृति आत्मा, वर्षा और परिवर्तन से जोड़ा गया।
- **अफ्रीकी संस्कृतियाँ**:
  डम्बाला: वोदू धर्म का सर्प देवता; जीवन और संतुलन का प्रतीक।

10. आधुनिक युग में प्रतीकात्मकता

- **मनोविज्ञान (कार्ल जुंग)**: साँप को अवचेतन, रूपांतरण और उपचार का प्रतीक माना।
- **आधुनिक कला/मीडिया**: साँप खतरे, ज्ञान, शक्ति और बदलाव का प्रतीक बने हुए हैं।

विश्व सर्प दिवस
World Snake Day
16-जुलाई

विभिन्न मिथकों में साँपों का कालानुक्रमिक इतिहास

क्षेत्र/संस्कृति	कालावधि	साँप का प्रतीकात्मक अर्थ
नवपाषाण संस्कृतियाँ	~5000 ईसा पूर्व	उर्वरता, पृथ्वी, पुनर्जन्म
मेसोपोटामिया	3000–1000 ईसा पूर्व	अधोलोक, अमरता
मिस्र	3000 ईसा पूर्व–300 ई	सुरक्षा (वाजेत), अराजकता (एपेप)
भारत (हिंदू धर्म)	1500 ईसा पूर्व–वर्तमान	दिव्यता, संतुलन, संरक्षण
चीन	1600 ईसा पूर्व–वर्तमान	सृष्टि, अंतर्ज्ञान, राशि चिन्ह
यूनान	1200–300 ईसा पूर्व	चिकित्सा, मृत्यु, पुनर्जन्म
नॉर्स (वाइकिंग)	200–1000 ईस्वी	अराजकता, प्रलय
अब्राहमिक धर्म	1000 ईसा पूर्व–600 ई	पाप, प्रलोभन, उपचार
आदिवासी (विश्व स्तर पर)	प्राचीन–वर्तमान	प्रकृति आत्मा, वर्षा, सृजन

विश्व सर्प दिवस

World Snake Day

16-जुलाई

सामान्य जानकारी

- साँप (Snake) सरीसृप वर्ग (Reptiles) के जीव हैं।
- ये बिना पैर वाले रेंगने वाले जीव हैं जो विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में रह सकते हैं।
- भारत में लगभग **300 से अधिक साँप प्रजातियाँ** पाई जाती हैं।
- **आवास (Habitat)**
- साँप विभिन्न प्रकार के पर्यावरणों में पाए जाते हैं:
  - जंगल, घास के मैदान, रेगिस्तान, दलदली क्षेत्र, पर्वतीय इलाके, कृषि भूमि और यहाँ तक कि मानव बस्तियों में भी।
  - कुछ साँप **जलस्नायी (aquatic)** होते हैं, जो नदियों, झीलों और समुद्र में रहते हैं।
  - **पृथ्वी में छिपकर रहने वाले (fossorial)** साँप ज़मीन के अंदर बिल बनाकर रहते हैं।

- **शरीर की संरचना (Body Structure)**
  - साँपों का शरीर लंबा, लचीला और बेलनाकार होता है।
  - शरीर पर सैकड़ों **कर्कश या चिकनी शल्कें (scales)** होती हैं, जो उसे रेंगने में सहायता करती हैं।
  - वे **कानों के बाहरी छिद्र और पलकों** के बिना होते हैं — लेकिन कंपन को महसूस कर सकते हैं।
  - जीभ दो-मुंही (forked tongue) होती है, जिससे वे गंध का पता लगाते हैं।
  - साँपों की पसलियाँ शरीर के लगभग पूरे हिस्से में फैली होती हैं और हड्डियाँ अत्यधिक लचीली होती हैं।

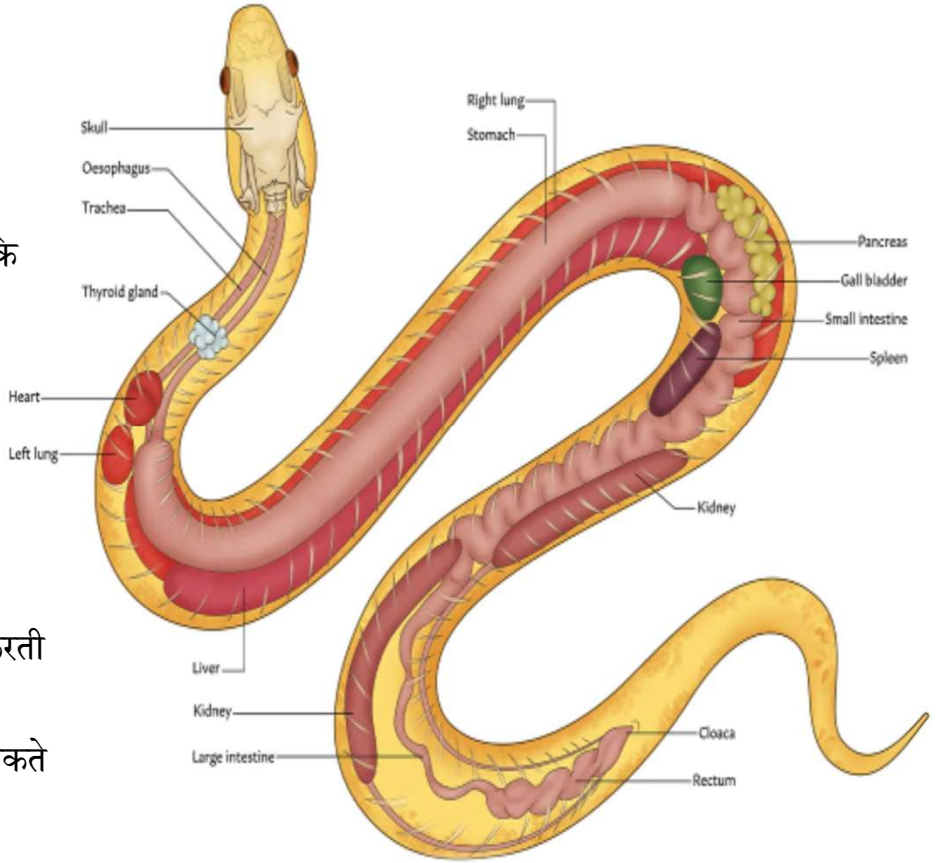

विश्व सर्प दिवस

World Snake Day

16-जुलाई

सामान्य जानकारी

- साँप मांसाहारी (Carnivorous) होते हैं।
- वे चूहे, मेंढक, छिपकली, पक्षी, अंडे, मछलियाँ और अन्य छोटे जानवरों को खाते हैं।
- कुछ बड़े साँप (जैसे अजगर) हिरण और सूअर जैसे बड़े जानवरों को भी निगल सकते हैं।
- शिकार को निगलने से पहले साँप उसे चबाते नहीं, बल्कि पूरा निगल जाते हैं।
- विषैले या विषहीन (Venomous or Non-Venomous)
- भारत में पाए जाने वाले लगभग 300 प्रजातियों में से लगभग 20% साँप विषैले (Venomous) होते हैं।
- विष का प्रयोग वे शिकार को मारने या आत्मरक्षा के लिए करते हैं।

विश्व सर्प दिवस

World Snake Day

16-जुलाई

भारत में पाए जाने वाले प्रमुख साँप

साँप का नाम (हिंदी)	वैज्ञानिक नाम	विषैला / गैर-विषैला	पहचान के लक्षण	आवास स्थान
भारतीय कोबरा	*Naja naja*	विषैला	सिर पर चश्मे जैसा निशान, फन फैलाता है	खेत, झाड़ी, गाँव
करैत	*Bungarus caeruleus*	अत्यंत विषैला	काले शरीर पर हल्की सफेद धारियाँ, रात में सक्रिय	गाँव, घर के आसपास
रसेल वाइपर	*Daboia russelii*	विषैला	गाढ़े भूरे रंग पर तीन श्रृंखलाएं गोल धब्बों की	खुला मैदान, कृषि क्षेत्र
धामिन (रैट स्नेक)	*Ptyas mucosa*	गैर-विषैला	लंबा, पतला, गहरे भूरे रंग का	खेत, बाग, घर के आसपास
चेकर्ड कीलबैक	*Fowlea piscator*	गैर-विषैला	जल के पास, काले-पीले चैकर्ड पैटर्न	तालाब, नहर, धान के खेत
अजगर	*Python molurus*	गैर-विषैला	बहुत बड़ा शरीर, भूरे रंग पर गहरे धब्बे	जंगल, झाड़ीदार क्षेत्र

विश्व सर्प दिवस
World Snake Day
16-जुलाई

बिहार में पाए जाने वाले प्रमुख साँप

साँप का नाम	विषस्थिति	आवास	विशेष जानकारी
किंग कोबरा (King Cobra)	*Ophiophagus hannah*	घने जंगल, बाँस के झुरमुट, नदी के किनारे, दलदली क्षेत्र	अंडों के लिए घोंसला बनाता है, मादा रक्षा भी करती है
कॉमन करैत (*Bungarus caeruleus*)	अत्यंत विषैला	ग्रामीण क्षेत्रों में	रात को सक्रिय
भारतीय कोबरा (*Naja naja*)	अत्यंत विषैला	खेतों, झाड़ियों में	फन पर 'चश्मा' निशान
रसेल्स वाइपर (*Daboia russelii*)	अत्यंत विषैला	कृषि भूमि में	शरीर के बगल गोल आकार के निशान
चेकर्ड कीलबैक (*Fowlea piscator*)	विषहीन	पोखर, नदी किनारे	तैरने में माहिर
रैट स्नेक (*Ptyas mucosa*)	विषहीन	खेत, घरों के पास	चूहे खाता है
ब्राह्मणी ब्लाइंड स्नेक (*Indotyphlops braminus*)	विषहीन	मिट्टी में	अत्यंत छोटा और अदृश्य
बफ-स्ट्राइप कीलबैक (*Amphiesma stolatum*)	विषहीन	बगीचे, खेत	हानिरहित
Common Wolf Snake	विषहीन	घरों में पाये जाते हैं	छिपकिली खाते हैं

विश्व सर्प दिवस

World Snake Day

16-जुलाई

विश्व का सबसे बड़ा विषहीन साँप (Biggest Non-venomous Snake in the World)

• सामान्य नाम	ग्रीन एनाकोंडा
• वैज्ञानिक नाम	*Eunectes murinus*
• निवास स्थान	अमेज़न वर्षावन, दलदली क्षेत्र और नदियाँ
• अधिकतम लंबाई	30 फीट (9 मीटर) तक
• अधिकतम वज़न	200–250 किलोग्राम तक
• जीवनकाल	लगभग 10–30 वर्ष
• आहार	मछली, पक्षी, हिरण, केपिबारा, कभी-कभी मगरमच्छ भी
• विषैले नहीं	यह **अविषैले (Non-venomous)** होते हैं, शिकार को लपेटकर दम घोंटते हैं

विश्व सर्प दिवस

World Snake Day

16-जुलाई

विश्व का सबसे बड़ा विषैला साँप (Biggest venomous Snake in the World)

• **नाम**	किंग कोबरा (King Cobra)
• **वैज्ञानिक नाम**	*Ophiophagus hannah*
• **वितरण क्षेत्र**	भारत, नेपाल, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, चीन, इंडोनेशिया आदि
• **अधिकतम लंबाई**	18 फीट (5.5 मीटर) —दुनिया का सबसे लंबा विषैला साँप
• **वजन**	6–10 किलोग्राम तक
• **विष प्रकार**	न्यूरोटॉक्सिक (Neurotoxic) — तंत्रिका तंत्र पर असर डालता है
• **मुख्य आहार**	अन्य साँप (Venomous & Non-venomous), छिपकली आदि
• **आवास**	घने जंगल, बाँस के झुरमुट, नदी के किनारे, दलदली क्षेत्र
• **घोंसला बनाना**	हाँ – अंडों के लिए घोंसला बनाता है, मादा रक्षा भी करती है
• **मानव पर खतरा**	अत्यधिक – एक बार का विष 20+ लोगों को मार सकता है यदि इलाज न हो
• **IUCN स्थिति**	संकटग्रस्त (Vulnerable) – प्राकृतिक आवास नष्ट होने के कारण
• **अंधविश्वास**	इसे मारना पाप माना जाता है, लेकिन डर से मारा भी जाता है
• **संरक्षण की ज़रूरत**	उच्च – पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण है

विश्व सर्प दिवस

World Snake Day

16-जुलाई

Know The ‘Big Four’

A. रसेल वाइपर (Russell's Viper)

हिंदी नाम: रसेल-वाइपर

- यह सांप बेहद आक्रामक और विषैला होता है।
- इसके काटने से रक्तस्राव, अंग फेलियर और मृत्यु तक हो सकती है।

B. नाग / कोबरा (Spectacled Cobra)

हिंदी नाम: गेहूँअन

- अपने फन पर बने चश्मे जैसे निशान से पहचाना जाता है।
- इसका विष तंत्रिका तंत्र पर प्रभाव डालता है और सांस रोक सकता है।

C. सॉ स्केल वाइपर (Saw-scaled Viper)

हिंदी नाम: वाइपर

- आकार में छोटा पर अत्यंत खतरनाक होता है।
- इसके काटने से खून जमना बंद हो जाता है जिससे आंतरिक रक्तस्राव होता है।

D. कॉमन क्रेट (Common Krait)

हिंदी नाम: करैत

- यह सांप रात में अधिक सक्रिय होता है।
- इसके विष से शरीर पूरी तरह लकवाग्रस्त हो सकता है और बिना दर्द के मृत्यु हो सकती है।

भारत में सर्पदंश (Snake Bite) से होने वाली 90% से अधिक मृत्यु इन चार विषैले सांपों से होने के कारण इन्हें "Big Four" कहा जाता है।

विश्व सर्प दिवस
World Snake Day
16-जुलाई

सांप के काटने पर क्या करें

कार्य	विवरण
शांत रहें	घबराएँ नहीं। दिल की धड़कन जितनी तेज़ होगी, विष उतनी जल्दी फैलेगा।
घाव के ऊपर कपड़े से हल्का बाँधें	साँप के काटे स्थान से 2-4 इंच ऊपर एक कपड़ा हल्के से बाँधें ताकि विष का प्रसार धीमा हो।
शरीर को स्थिर रखें	पीड़ित को लेटाएँ और काटे हुए अंग को हृदय से नीचे रखें।
तुरंत अस्पताल पहुँचें	निकटतम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) या अस्पताल ले जाएँ।
साँप की पहचान करने का प्रयास करें (सुरक्षित दूरी से)	यदि साँप को मारा गया है या भाग गया है, तो उसका रंग/आकार याद रखें — इससे सही एंटीवेनम देने में मदद मिलेगी।
एम्बुलेंस बुलाएँ (यदि संभव हो)	स्थानीय आपातकालीन सेवाओं को कॉल करें।

विश्व सर्प दिवस
World Snake Day
16-जुलाई

सांप के काटने पर क्या न करें

कार्य	विवरण
साँप के काटे स्थान को काटें या चूसें नहीं	यह एक पुराना और खतरनाक तरीका है — इससे संक्रमण और विष का प्रसार बढ़ता है।
कोई घरेलू इलाज न करें	नींबू, हल्दी, तेल, जड़ी-बूटी लगाने से विष नहीं निकलता — समय बर्बाद होता है।
शराब या कॉफी न दें	यह दिल की धड़कन बढ़ाता है और विष तेज़ी से फैलता है।
घाव को बर्फ से न ठंडा करें	इससे ऊतकों को नुकसान हो सकता है और विष का असर बढ़ सकता है।
व्यायाम या चलने से बचें	चलने-फिरने से विष शरीर में तेज़ी से फैल सकता है।
किसी ओझा-तांत्रिक के पास न जाएँ	समय पर अस्पताल पहुँचाना ही जीवन बचाने का उपाय है।

विश्व सर्प दिवस
World Snake Day
16-जुलाई